



भा.वा.अ.शि.प. - वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
ICFRE - RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION



भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. ने मेघालय राज्य बांस
मिशन के अधिकारियों के लिए बांस प्रबंधन
प्रशिक्षण आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने 23-24 जुलाई, 2026 को अपने परिसर में मेघालय राज्य बांस मिशन के अधिकारियों के लिए बांस के वैज्ञानिक प्रबंधन पर दो दिवसीय एक्सपोजर विज़िट और प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम मेघालय में बांस के विकास और प्रचार-प्रसार में शामिल अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था। राज्य के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 12 वरिष्ठ अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन 23 जुलाई, 2026 को संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने किया। प्रशिक्षण में कई विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान शामिल थे, जिनमें बांस का प्रसार, नर्सरी प्रबंधन, वाणिज्यिक खेती, आनुवंशिक सुधार, पेस्ट और रोग प्रबंधन, बांस-आधारित निर्माण, कृषि-वानिकी प्रणालियाँ, बांस का चारकोल उत्पादन, बांस संसाधन का अनुमान, मूल्य संवर्धन और विपणन शामिल हैं। ये सत्र डॉ. नितिन कुलकर्णी, श्री आर. के. कलिता, डॉ. धुबा ज्योति दास, डॉ. सत्यम बरदलई, डॉ. प्रसून करमाकर, डॉ. मिताली मेहता, श्री डी. के. मीना, डॉ. आर. डी. बोरठाकुर, प्रियम बी. गोस्वामी, परीक्षित बोरकोटोकी, श्री कुमुद बोरा और श्री देबोजित नियोग द्वारा आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की एक मुख्य विशेषता व्यावहारिक सत्र और व.व.सं. की बांस नर्सरी, बैम्बुसेटम, बांस चारकोल यूनिट, बांस उपचार यूनिट, बांस संग्रहालय, टिशू कल्चर प्रयोगशाला और अन्य अनुसंधान सुविधाओं का क्षेत्र दौरा था। इन दौरों ने प्रतिभागियों को बांस की उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया। समापन सत्र में एक प्रस्तुति दी गई जिसमें मेघालय राज्य बांस मिशन की पहलों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरा होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। आशा है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-राज्य सहयोग को और मजबूत करेगा तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस संसाधनों के सतत प्रबंधन, उद्यमिता और आजीविका विकास को बढ़ावा देगा।



ICFRE-RFRI CONDUCTS BAMBOO MANAGEMENT TRAINING FOR MEGHALAYA STATE BAMBOO MISSION OFFICERS

ICFRE–Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) successfully organized a two-day Exposure Visit and Training Programme on Scientific Management of Bamboo for officers of the Meghalaya State Bamboo Mission during 23–24 July, 2026 at its premises. The programme was designed to strengthen the technical knowledge and practical skills of officers involved in bamboo development and promotion across Meghalaya. A total of 12 senior officers representing different districts of the state participated in the training. The programme was inaugurated by Dr. Nitin Kulkarni, Director of the Institute, on 23 July, 2026. The training comprised of expert lectures covering a wide range of topics, including bamboo propagation, nursery management, commercial cultivation, genetic improvement, pest and disease management, bamboo-based construction, agroforestry systems, bamboo charcoal production, bamboo resource estimation, value addition, and marketing. The sessions were delivered by Dr. Nitin Kulkarni, R. K. Kalita, Dr. Dhruba Jyoti Das, Dr. Satyam Bordoloi, Dr. Prasun Karmakar, Dr. Mitali Mehta, D. K. Meena, Dr. R. D. Borthakur, Priyam B. Goswami, Parikshit Borkotoky, Kumud Borah, and Debojit Neog.

A major highlight of the programme was the hands-on practical sessions and field visits to RFRI's bamboo nursery, Bambusetum, Bamboo Charcoal Unit, Bamboo Treatment Unit, Bamboo Museum, Tissue Culture Laboratory, and other research facilities. These visits provided participants with first-hand exposure to advanced bamboo technologies and scientific management practices. The valedictory session featured one presentation highlighting the initiatives of the Meghalaya State Bamboo Mission. Certificates were distributed to all participants upon successful completion of the programme. The training programme is expected to further strengthen inter-state collaboration and promote sustainable bamboo resource management, entrepreneurship, and livelihood development across the North Eastern Region.



PHOTO GALLERY: HIGHLIGHTS OF THE EVENT: -



